

वस्तु एवं सेवा कर से सोने की मांग प्रभावति ।

संदर्भ

वशिव स्वर्ण परषिद (World Gold Council-WGC) का मानना है कविस्तु एवं सेवा कर के कारण देश में लघु अवधि के लिये सोने की मांग प्रभावति हो सकती है । छोटे स्वर्ण आभूषण कारीगरों और खुदरा व्यापारियों को इस नई कर व्यवस्था को अपनाने में आरंभ में परेशानी आ सकती है ।

परमुख बदि

- भारत वशिव का दूसरा सबसे बड़ा स्वर्ण उपभोक्ता देश है । यहाँ वविह-समारोहों से लेकर नविश उद्देश्य तक के लिये स्वर्ण का उपयोग होता है ।
- भारत में सोने की दो-तहिई मांग ग्रामीण कषेत्रों से आती है ।
- देश भर में 1 जुलाई से लागू नई बकिरी कर व्यवस्था में सोने पर वस्तु और सेवा कर पछिले 1.2% से बढ़ा कर 3% तक कर दिया गया है ।

तस्करी

- कर की बढ़ोतरी से भारत में सोने की तस्करी बढ़ सकती है, क्योंकि यहाँ लाखों लोग संपत्ति के रूप में सोने के बुलियनों एवं आभूषणों में रखना पसंद करते हैं ।
- इस बीच, डब्ल्यूजीसी ने कहा है कसिरकार के 1 अप्रैल से 2,00,000 रुपए (\$ 3,090) से अधिक के नकदी के लेन-देन पर परतबिंध लगाने से ग्रामीण कषेत्रों में सोने की मांग को नुकसान पहुँच सकता है, क्योंकि किसान अक्सर स्वर्ण खरीदने के लिये नकदी का उपयोग करते हैं । गौरतलब है कसोने की दो-तहिई मांग ग्रामीण कषेत्रों में होती है ।
- डब्ल्यूजीसी ने भारत के लिये स्वर्ण मांग का अनुमान 2017 के लिये 650 टन से 750 टन रखा है, जो पछिले पाँच वर्षों में 846 टन की औसत वार्षिक मांग से कम है ।

क्या है वशिव स्वर्ण परषिद

- वशिव स्वर्ण परषिद, स्वर्ण उद्योग के लिये बाज़ार वकिस संगठन है ।
- यह स्वर्ण उद्योग के लिये स्वर्ण खनन से नविश तक, सभी कषेत्रों में काम करता है और इसका उद्देश्य सोने की मांग को प्रोत्साहति करना और बनाए रखना है ।
- वशिव स्वर्ण परषिद अक्सर ऐसे शोध प्रकाशति करता है, जो नविशकों और देशों दोनों के लिये धन के संरक्षक के रूप में सोने की ताकत को दर्शाता है ।
- इसका मुख्यालय यू.के. में है तथा भारत, चीन, सगिापुर, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका में कार्यालय हैं ।
- वशिव स्वर्ण परषिद एक ऐसा संगठन है, जसिका सदस्य दुनिया की अग्रणी सोने की खनन कंपनरियाँ हैं ।